गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

दैनिक

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

वर्ष: 27 | अंक: 66 | गाजियाबाद, गुरूवार 05 जून, 2025 | सम्पादक-अशोक कौशिक | मूल्य : 1 रूपया

INMANTEC INSTITUTIONS
Since: 1995
INTEGRATED ACADEMY OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY
Admissions Open | Free Bus Service For Hapur | Scholarship Worth ₹ 30 Lakh
BBA CCS Univ.
Value Added Courses:
MS OFFICE TOOLS, DIGITAL MARKETING
RETAIL PROGRAM (Infosys)
BCA CCS Univ.
Value Added Courses:
AI & MACHINE LEARNING,
PYTHON, FULL STACK DEVELOPMENT
PLACEMENT READINESS PROGRAM IN ALL THE SEMESTERS
B.Com CCS | D.Pharm PCI / BTE | LLB BCI / CCS
BA-LLB BCI / CCS | B.A CCS Univ. | MBA APJAKTU / AICTE | MCA APJAKTU / AICTE
Call: 9818579220, 8800982827, 8860122262, 8595560124, 9821791146
Toll Free: 1800 120 9291
Delhi-Meerut Expressway (NH-9, Exit 4) Adjoining Dasna Flyover, Udyog Kunj, Ghaziabad-201015, www.inmantec.edu

आरसीबी के जश्न में पसरा मातमः चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़, 11 की मौत, कई घायल

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत का जश्न एक दिल दहला देने वाली त्रासदी में बदल गया। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान भारी भीड़ में मची भगदड़ में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि 25 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए पास के बॉरिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। 3 जून को पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 की ट्रॉफी अपने नाम करने वाली आरसीबी का स्वागत समारोह बेंगलुरु में ऐतिहासिक स्तर पर आयोजित किया गया था। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हजारों की तादाद में जुटे प्रशंसक टीम की झलक पाने के लिए आतुर थे। भीड़ नियंत्रण के लिए

पुलिस बल की तैनाती तो की गई थी, लेकिन अचानक स्थिति बेकाबू हो गई।

अव्यवस्था ने ली मासूम जानें

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही फैंस ने स्टेडियम के गेट खुलने की भनक सुनी, हजारों की भीड़ एक साथ अंदर घुसने की कोशिश करने लगी। अफरा-तफरी के माहौल में कई लोग जमीन पर गिर पड़े और उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिला। भगदड़ के दौरान कुछ लोगों की दम घुटने से मृत्यु हुई, जबकि अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़भाड़ की वजह से कई एंबुलेंस समय पर घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकीं, जिससे बचाव कार्य प्रभावित हुआ। प्रशासन की ओर से अभी तक इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की गई है, लेकिन राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। आरसीबी के पहले खिताब की खुशी अब पूरे बेंगलुरु में शोक में बदल गई है। सोशल मीडिया पर इस हादसे को लेकर नाराजगी और संवेदनाएं दोनों व्यक्त की जा रही हैं। क्रिकेट जगत से लेकर सिनेमा और राजनीति के बड़े नामों ने इस दर्दनाक हादसे पर शोक जताया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए यह ऐतिहासिक जीत अविस्मरणीय तो है, लेकिन उससे जुड़ा यह हादसा भी शायद ही कभी भुलाया जा सके। सवाल यह है कि क्या भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए प्रशासन बेहतर योजना बना पाएगा, या हर जश्न के साथ खतरे की आशंका भी जुड़ी रहेगी?

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक, किरेन रिजिजू ने दी जानकारी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की तारीखें घोषित हो गईं हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आयोजित किया जाएगा। विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लगातार की जा रही संसद के विशेष सत्र की मांग के बीच सरकार ने यह एलान किया है। संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इससे पहले संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था। पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और चार अप्रैल को समाप्त हुआ था। बजट सत्र में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया था कि सदन की अब तक की सबसे लंबी बैठक गुरुवार तीन अप्रैल को हुई थी।

1 मार्च 2027 से शुरू होगी जनगणना, दो चरण में होगी गिनती, कोविड के कारण 2021 में टली थी जनगणना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का एलान पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी एलान कर दिया है। सूत्रों को मुताबिक, भारत में 1 मार्च 2027 से जातीय जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि, जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। सूत्रों के मुताबिक पहाड़ी राज्यों जैसे लद्दाख, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 1 अक्तूबर 2026 से जनगणना शुरू होगी। वहीं मैदानी

इलाकों में जातीय जनगणना की शुरूआत 2027 में होगी। 2027 में जनगणना के बाद से भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जो पहले 1951 से शुरू हुआ था वो 2027-2037 और फिर 2037 से 2047। भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था।

देश में आखिरी बार कब हुई थी जातिगत जनगणना?

देश में जनगणना की शुरूआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

यूपी के जिला सहकारी बैंकों की सुरक्षा होगी और पुख्ता, साइबर सिक्योरिटी कवच स्थापित करेगी योगी सरकार

10 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान

इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10 करोड़ रुपये का विशेष बजटीय प्रावधान किया है। यह राशि तकनीकी संसाधनों की स्थापना, सर्वर सुरक्षा, प्रशिक्षण, साइबर जागरूकता और क्लाउड प्लेटफॉर्म पर व्यय की जाएगी।

बैंकों की वित्तीय स्थिति होगी सशक्त

इस पहल के तहत जिला सहकारी बैंकों की न केवल साइबर सुरक्षा को मजबूती दी जाएगी, बल्कि उनकी वित्तीय स्थिति को भी सशक्त बनाया जाएगा। बेहतर टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी सेवाओं से बैंकिंग सेक्टर में लोगों का भरोसा बढ़ेगा। जिससे जमा राशि और ऋण वितरण में भी वृद्धि होगी।

लखनऊ। योगी सरकार राज्य में सहकारी बैंकों को आधुनिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। अब प्रदेश के 50 जिला सहकारी बैंकों और उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को साइबर सुरक्षा कवच से लैस किया जाएगा। इसके लिए बैंकों को कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) आधारित क्लाउड प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड किया जाएगा। जिससे ग्राहकों की बैंकिंग से जुड़ी हर गतिविधि सुरक्षित और पारदर्शी होगी। इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए तकनीकी क्षेत्र की अग्रणी टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियां सहयोग करेंगी। ये कंपनियां सहकारी बैंकों के डाटा सुरक्षा, सर्वर मैनेजमेंट और साइबर हमलों से बचाव जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के साथ पूरे सिस्टम को सशक्त बनाएंगी। इस पूरी परियोजना के संचालन में नाबार्ड का सहयोग लिया जाएगा। इसमें तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और निगरानी के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सहकारी बैंक सुरक्षित, सशक्त और ग्राहकों के लिए और ज्यादा भरोसेमंद बनें। योगी सरकार न केवल तकनीकी कवच तैयार कर रही है, बल्कि आम जनता को साइबर जागरूकता के लिए विशेष अभियान भी चलाएगी। बैंकिंग उपभोक्ताओं को बताया जाएगा कि साइबर धोखाधड़ी से कैसे बचा जाए, किन नंबरों पर शिकायत करें और कौन से व्यवहार सुरक्षित हैं। इस उद्देश्य से बैंक शाखाओं, ग्राम पंचायतों और डिजिटल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

राहुल गांधी पर हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी, कहा- सेना पर अपमानजनक बयान देने की आजादी नहीं

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने करीब तीन साल पहले सेना से जुड़े एक बयान पर दाखिल कथित मानहानि के मामले में राहुल गांधी के खिलाए अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के तहत मिली बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में भारतीय सेना या किसी व्यक्ति के खिलाफ अपमानजनक बयान देने की आजादी शामिल नहीं है। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा दिया गया कथित बयान निसंदेह स्वाद में अच्छा नहीं है। सार्वजनिक जीवन वाले व्यक्ति से यह अपेछित होता है कि वह जनता में भाषण देते समय संयम का स्तर बनाए रखे। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें उन्होंने लखनऊ की एक एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा मानहानि मामले में फरवरी 2025 में जारी समन आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निश्चित रूप

से दी गई है, लेकिन यह तर्कसंगत प्रतिबंधों के अधीन है। इसमें किसी व्यक्ति या भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दायर की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी। शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा। लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और

राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा से पहले हुआ राजा राम का अभिषेक, आज पूर्वाह्न 11.25 से 11.40 के बीच आयोजन

अयोध्या। गंगा दशहरा पर अयोध्या के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। राम मंदिर परिसर में राजाराम समेत आठ देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा पूरे भव्यता के साथ की जाएगी। इससे पहले प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न अधिवास हुए और उत्सव विग्रहों का परिसर भ्रमण कराया गया। भारत की 21 पवित्र नदियों के जल से सभी देव विग्रहों का अभिषेक हुआ। बुधवार प्रातः साढ़े छह बजे से यज्ञमंडप में दो घंटे तक देवताओं का पूजन किया गया। अन्नाधिवास सुबह नौ बजे से 9:30 बजे तक संपन्न हुआ। यज्ञमंडप में हवन 9:35 से 10:35 बजे तक चला। 10:40 12:40 तक राम दरबार समेत सभी देव विग्रहों का अभिषेक किया गया। जिस मंदिर में देव विग्रह की स्थापना होनी है, वहां भी अभिषेक की प्रक्रिया संपन्न हुई। दोपहर दो बजे से तीन बजे तक उत्सव विग्रहों ने परिसर भ्रमण किया। इसके लिए

पालकी पर चांदी की चौकियों पर राम दरबार की समस्त उत्सव मूर्ति, परकोटा के छह मंदिरों की उत्सव मूर्ति को विराजमान कर परिसर भ्रमण कराया गया। मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्र समेत अन्य यजमानों ने पालकी को कंधे पर उठाकर श्रीराम जय राम, जय जय राम...के जयघोष के साथ मंदिर परिसर की परिक्रमा की। दोपहर तीन से साढ़े चार बजे तक शय्या निवास कराया गया। साढ़े चार बजे से पांच बजे तक प्रासाद वास्तु पूजन हुआ। बाद में यज्ञशाला में हवन आरती 5:45 से 6:45 तक हुई। मुख्य आचार्य काशी के आचार्य जय प्रकाश त्रिपाठी, अयोध्या के पंडित प्रवीण शर्मा, पंडित इंद्रदेव मिश्र के निर्देशन में अन्नाधिवास, घृताधिवास, जलाधिवास, पुष्पा निवास, शर्कराधिवास, शय्या धिवास, सभी क्रम से संपन्न कराए गए। पंडित प्रवीण शर्मा ने बताया कि अधिवास की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। भगवान को अब शैय्याधिवास के क्रम में सुला दिया गया है। बृहस्पतिवार सुबह उन्हें जगाया जाएगा। फिर उनका अभिषेक, पूजन, श्रृंगार आदि होगा। इसके बाद विग्रहों के नेत्रों से पट्टी हटाई जाएगी। राम दरबार का आवरण हटाया जाएगा।

राम दरबार समेत आठ देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर सुबह 11:25 से 11:40 बजे तक अभिजीत मुहूर्त में होगी। गंगा दशहरा के दिन सिद्ध योग भी बन रहा है। इसी दिन रामेश्वरम की भी प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। सुबह छह बजे से प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू होगा। सुबह देवताओं का पूजन यज्ञमंडप में किया जाएगा। इसके बाद प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू होगा। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ समेत पांच सौ से अधिक मेहमान शामिल रहेंगे। पूजन, भोग, आरती के बाद अनुष्ठान का समापन होगा। समारोह में संघ, विहिप व भाजपा से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है। स्थानीय साधु-संतों की भी मौजूदगी रहेगी। जातीय मंदिरों के संतों को भी बुलाया गया है। सभी के लिए परिसर में ही लंच पैकेट की व्यवस्था की गई है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद सीता राम समेत चारों भाइयों व हनुमान जी को आभूषण पहनाए जाएंगे। यह आभूषण सूरत के हीरा व्यापारी ग्रीन लैब के मालिक मुकेश पटेल ने दान किया है। विहिप के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवादिया ने बताया कि एक कैरेट का हीरा, 30 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना के प्रयोग से 11 मुकुट बनाए गए हैं। चारों भाइयों के लिए चार बड़े और तीन छोटे धनुष भी बनाए गए हैं। चार तुणीर, तीन गदा और चॅवर भी बनाए गए हैं। इन आभूषणों को निजी प्लेन से सरकार के सहयोग से अयोध्या लाया गया, जिसे बुधवार को राम मंदिर ट्रस्ट को समर्पित किया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर संस्मरण वार्ता आयोजित

सांसद अतुल गर्ग, मनन मिश्रा व सस्मित पात्रा ने साझा की चार देशों की कूटनीतिक यात्रा की जानकारी

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारत सरकार की पहल पर बुधवार को मोहन नगर स्थित आई.टी.एस. कॉलेज में 'ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर एक विशेष संस्मरण वार्ता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध भारत की रणनीति और संसद की भूमिका को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग रहे, जो हाल ही में लाइबेरिया, यूएई, कोंगो, सिएरा लियोन आदि देशों की कूटनीतिक यात्रा से लौटे हैं। यह यात्रा भारत सरकार द्वारा वैश्विक सहयोग, सांस्कृतिक समन्वय और आतंकवाद-रोधी दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने हेतु आयोजित की गई थी, जिसमें श्री गर्ग ने उत्तर प्रदेश के एकमात्र सांसद के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह यात्रा केवल सांस्कृतिक और आर्थिक साझेदारी की नहीं थी, बल्कि भारत की सुरक्षा नीति और आतंकवाद के विरुद्ध हमारे दृढ़ निश्चय को वैश्विक स्तर पर रखने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास था। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की कूटनीतिक और सैन्य क्षमता का प्रतीक है, जिसके माध्यम से हमने पाकिस्तान की नापाक हरकतों को तथ्यों के साथ दुनिया के सामने उजागर किया। उन्होंने बताया कि जब प्रतिनिधिमंडल यूएई पहुंचा, तो वहां के अधिकारियों ने कहा कि यह हमला केवल भारत पर नहीं, हम सब पर है। मुस्लिम देशों में भी भारत के प्रति सहानुभूति और पाकिस्तान के प्रति आक्रोश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पाकिस्तान की छवि वहां 'भिखारी राष्ट्र' जैसी है, जो हर ताकतवर देश से मदद मांगता फिरता है। राज्यसभा सांसद एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा ने कहा कि भारत अब सहन करने वाला नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही करने वाला देश बन चुका है। हमें वैश्विक मंचों और संसद दोनों में भारत की दृढ़ नीति और सुरक्षा दृष्टिकोण को मजबूती से रखना चाहिए। मुस्लिम देशों की हमारी यात्रा में यह बात साफ देखने को मिली कि वहां का नेतृत्व एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है और भारत के साथ खड़ा है। राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा कि हम भले ही विपक्ष की राजनीति करते हों, लेकिन जब बात देश की सुरक्षा और सम्मान की हो, तो हम सब एक हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क को उजागर करने की ऐतिहासिक पहल है। इससे भारत की वैश्विक साख और सुरक्षा नीति को और मजबूती मिली है। भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कहीं अधिक सशक्त और प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि गाजियाबाद के सांसद द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे शहर के लिए गर्व की बात है। आज देश दो धाराओं में बंट चुका है-एक जो आतंकवाद के सहारे सत्ता चलाना चाहते हैं, और दूसरी जो आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए कटिबद्ध हैं। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में विधायक संजीव शर्मा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे सैनिकों की बहादुरी और सरकार की दृढ़ नीतियों के कारण ही आज भारत एक मजबूत राष्ट्र बनकर उभरा है। ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं में राष्ट्रप्रेम और जागरूकता की भावना और भी प्रबल होती है। कार्यक्रम संयोजक पप्पू पहलवान ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे गंभीर विषय पर चर्चा हेतु गाजियाबाद का चयन हमारे लिए गौरव की बात है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिक भी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे मुद्दों के प्रति सजग और जागरूक बनें। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक ने किया। इस अवसर पर मंच पर प्रमुख रूप से विधायक संजीव शर्मा, पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व मंत्री बलदेव राज शर्मा, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, अमरदत्त शर्मा, विजय मोहन, पृथ्वी सिंह कसाना, चेयरमैन विभु बंसल, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, महामंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, डिप्टी मेयर राजीव शर्मा, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, पार्षद बिजेंद्र चौहान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आई.टी.एस. संस्थान के निदेशक आर.पी. चड्ढा द्वारा अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में भाजपा कार्यकताओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल और प्रेरणादायक बन गया।

सिविल सर्विसेज, जे.ई.ई., नीट, एन.डी.ए., सी.डी.एस.

एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग संचालित किये जाने हेतु इच्छुक योग्य एवं अनुभवी शिक्षक करें आवेदन : वेद प्रकाश मिश्र

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। वेद प्रकाश मिश्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद कार्यालय ने पत्र द्वारा अवगत कराया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत परीक्षण व्याख्यान/ट्रायल लेक्चर के आधार पर प्रोफेशनल व्याख्याताओं के आवेदन पत्र दिनांक 31.05.2025 तक आमंत्रित किये गये थे। सिविल सर्विसेज, एन०डी०ए०/सी०डी०एस० जे०ई०ई०, नीट एवं एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग को गुणवत्तापरक बनाने हेतु योग्य एवं अनुभवी अतिथि प्रवक्ताओं से आवेदन पत्र दिनांक 10.06.2025 तक आमंत्रित किये जाते है। अभ्युदय योजनान्तर्गत इन्ग्राहम इन्टर कालेज, गाजियाबाद में सिविल सर्विसेज, जे०ई०ई०, नीट, एन०डी०ए०, सी०डी०एस० एवं एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग तथा पुलिस मॉडर्न स्कूल, वैशाली, गाजियाबाद में जे०ई०ई० एवं नीट की कोचिंग संचालित है। अतिथि प्रवक्ताओं को चयन समिति की अनुशंसा से परीक्षण व्याख्यान/ट्रायल लेक्चर के उपरान्त जिला समिति द्वारा सूचीबद्ध किया जायेगा। व्याख्याताओं को प्रति व्याख्यान 2000/- कार्मिक अनुभाग के शासनादेश दिनांक 03.09.2014 के अनुरूप मानदेय का भुगतान किया जायेगा। एक व्याख्यान की अवधि 90 मिनट होगी। एक अतिथि प्रवक्ता को प्रतिमाह अधिकतम 30 व्याख्यान तक अनुमन्य होंगे। अतः जनपद में सिविल सर्विसेज, जे०ई०ई०, नीट, एन०डी०ए०, सी०डी०एस० एवं एक दिवसीय परीक्षा की कोचिंग संचालित किये जाने हेतु इच्छुक योग्य एवं अनुभवी शिक्षक अपना आवेदन पत्र मय अनुभव प्रमाण पत्र सहित दिनांक 10.06.2025 तक विकास भवन के भूतल स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद के कार्यालय कक्ष संख्या 110-111 में जमा करा सकते है। अतिथि प्रवक्ता अपना आवेदन पत्र जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद की ई-मेल आई०डी० samajkalyangzb@gmail.com पर भी निर्धारित तिथि के अन्तर्गत भेज सकते हैं।

चार देशों की विशेष कूटनीतिक यात्रा से लौटे सांसद अतुल गर्ग का किया स्वागत

'ऑपरेशन सिंदूर' सहित भारत की आतंकवाद विरोधी भूमिका को अंतरराष्ट्रीय मंच पर किया उजागर

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। लोकप्रिय सांसद अतुल गर्ग चार देशों-लाइबेरिया, यूएई, कोंगो और सिएरा लियोन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कूटनीतिक विदेश यात्रा पूर्ण कर आज गाजियाबाद लौटे। यह यात्रा भारत सरकार द्वारा सांस्कृतिक, रणनीतिक और आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी, जिसमें श्री गर्ग ने उत्तर प्रदेश के एकमात्र सांसद के रूप में भाग लेकर भारत का गौरव बढ़ाया। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत सरकार और भारतीय सेना द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रभाव को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करना रहा। इस मिशन के तहत प्रतिनिधिमंडल ने संबंधित देशों के नीति-निमार्ताओं को भारत की भूमिका, सुरक्षा रणनीति और मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता की जानकारी दी। अतुल गर्ग ने चारों देशों के सांसदों, मंत्रियों एवं राजनयिकों से भेंट कर आर्थिक, रक्षा और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने पर चर्चा की। उन्होंने अफ्रीका और खाड़ी देशों में भारत की भूमिका को मजबूती से प्रस्तुत किया। गाजियाबाद लौटने पर उनके आवास पर पूर्व महापौर आशु वर्मा, भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, महामंत्री सुशील गौतम, रामावतार एवं हिमांशु समेत अनेक कार्यकताओं ने जलेबी और लड्डू खिलाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह यात्रा केवल सांस्कृतिक और आर्थिक सहयोग की नहीं थी, बल्कि भारत की सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प को वैश्विक मंच पर दशार्ने की भी थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत द्वारा उठाए गए कदमों को हमने दुनिया के समक्ष रखा, और पाकिस्तान के नापाक इरादों को तथ्यों के साथ उजागर किया। इस प्रकार की यात्राएं भारत की वैश्विक साख को मजबूत करती हैं। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा ह्लगाजियाबाद के सांसद का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे शहर के लिए गर्व की बात है। यह यात्रा न केवल राजनीतिक दृष्टि से, बल्कि राष्ट्रहित के दृष्टिकोण से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उल्लेखनीय है कि आज शाम मोहन नगर स्थित आई.टी.एस कॉलेज में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें अतुल गर्ग के साथ यात्रा में शामिल हुए बीजू जनता दल के राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा और राज्यसभा सांसद मदन मिश्रा भी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में तीनों सांसद अपने अनुभव साझा करेंगे और 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित पहलुओं पर भी प्रकाश डालेंगे।

कमिश्नरेट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिया धरना, अकबर चौधरी को तत्काल पुलिस सुरक्षा देंने की मांग

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। बुधवार को जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद वीर सिंह जाटव के नेतृत्व मे गाजियाबाद कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल गाजियाबाद कमिश्नर कार्यालय पर कमिश्नर रविंद्र गौड से मुलाकात कर बताया कि कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक कांग्रेस के उत्तर प्रदेश महासचिव अकबर चौधरी को हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्त्ता पूर्व जिलाबदर अपराधी अन्नू चौधरी उर्फ इशु चौधरी के द्वारा कई बार जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है जिसके संबंध में थाना टीला मोड़ में एफआईआर/मुकदमे दर्ज हैं और अब तो हद हो गई उपरोक्त व्यक्तियों के द्वारा अकबर चौधरी को मारने की सुपारी दी गई। परंतु अभी तक पुलिस ने किसी भी अपराधी को पड़कर जेल नहीं भेजा इसलिए हम आपसे निवेदन करते हैं कि इस मामले को बहुत ही गंभीरता से लिया जाए और अकबर चौधरी को तत्काल रूप से पुलिस सुरक्षा दी जाए। कमिश्नर महोदय ने सभी बातों को गंभीरता से सुनने के बाद हर्षवर्धन दिया जल्द ही इस पर कार्रवाई की जाएगी और आपकी समस्याओं का निवारण किया जाएगा अगर अकबर चौधरी के साथ कोई भी हादसा होता है तो कांग्रेस का एक कार्यकर्ता रोड पर उतरकर आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन करेगा जिसमें मुख्य रूप से मौजूद रहे पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. संजीव शर्मा, पूर्व प्रदेश सचिव नसीम खान, पूर्व प्रदेश सचिव पंकज तैजानिया, सूर्यकांत जिला अध्यक्ष अनुसूचित विभाग, एडवोकेट चन्द्रपाल, मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता, आशीष प्रेमी, बबलू भारती, एडवोकेट कमलेश, एडवोकेट अखिलेश, एहसान अली, एडवोकेट चंद्रपाल, निजाम, शहनवाज, कृष्णा गौतम, साहिल, नईम सैफी, आस मोहमद सैफी, तनसिर चौधरी, मुन्तयाज सैफी, यासीन, मोनू आदि कार्यकर्ता एवं समर्थन मौजूद रहे।

महिला से लूटी ढाई लाख कीमत की सोने की चैन, घटना को अंजाम देकर बदमाश मौके से हुए फरार

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। नगर की गोविंदपुरी कॉलोनी में बाजार जा रही एक महिला शकुंतला निवासी हरमुखपुरी मोदीनगर के गले से ढाई लाख कीमत की सोने की चेन लूट कर ले जाने में बदमाश कामयाब रहे। पीड़िता के पुत्र ने दी थाने में लिखित तहरीर पुलिस मामले की जांच में जुटी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हरमुखपुरी मोदीनगर निवासी महिला शकुंतला बुधवार शाम बाजार कुछ सामान खरीदारी करने गई थी इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चेन लूट ली। पीड़ित महिला जब तक शोर मचाती बदमाश घटना को अंजाम देकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पीड़ित महिला के पुत्र धीरज द्वारा थाने में लिखित सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद से ही स्थानीय थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है। पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए कोतवाली पुलिस अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो फोन पर भी संपर्क नहीं हो पाया।

तहसील लोनी में आउटलाईन कोर्ट खोलने की मांग को लेकर मुख्य न्यायधीश सुप्रीम कोर्ट को लिखा पत्र

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। लोनी तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष संजय शर्मा ने मुख्य न्यायधीश सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर मांग की है कि तहसील लोनी जिला गाजियाबाद के अन्तर्गत 5 थाने (थाना लोनी बॉर्डर, थाना लोनी, थाना ट्रोनिका सिटी, थाना अंकुर विहार व थाना टीलामोड) आते हैं तथा लोनी विधानसभा भी है लोनी नगर पालिका भी है लोनी विकास खण्ड क्षेत्र भी है तथा लोनी तहसील भी है। लोनी तहसील क्षेत्र की आबादी करीब 30 लाख है तथा लोनी नगर पालिका परिषद जनसंख्या की दृष्टि से भारतवर्ष की सबसे बडी नगर पालिका है। जनपद न्यायालय गाजियाबाद लोनी शहर से करीब 30 कि०मी० की दूरी पर स्थित है, लोनी तहसील वासियों को अपने मुकदमों की पैरवी करने के लिए 30 कि०मी० गाजियाबाद कोर्ट जाना पडता है तथा गाजियाबाद शहर में अधिकतर जाम लगा रहता है जिस कारण लोनी तहसील के वादकारियों को आने-जाने में काफी वक्त लगता है तथा आने-जाने में काफी धन भी खर्च होता है जिससे कि लोनी तहसील वासियों को सस्ता व सुलभ न्याय नहीं पा रहा है। महोदय लोनी तहसील के पाँचों थानों के फौजदारी व दीवानी वादों की पैरवी के लिए तहसील लोनी में दो न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायधीश व तीन न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट व एक न्यायालय सिविल जज (जू०डि०) व एक न्यायालय सिविल जज (सि०डि०) का खोला जाना न्यायहित में आवश्यक है। संजय शर्मा ने पत्र में कहा है कि तहसील लोनी जिला गाजियाबाद में पाँचों थानों के फौजदारी व दीवानी वादों की पैरवी के लिए तहसील लोनी में दो न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायधीश व तीन न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट व एक न्यायालय सिविल जज (जू०डि०) व एक न्यायालय सिविल जज (सि०डि०) के न्यायालय खोलने के आदेश पारित करने की कृपा करें। इसकी प्रति उन्होंने 2. माननीय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय उच्च न्यायालय इलाहाबाद।, माननीय न्यायमूर्ति सलील कुमार राय (प्रशासनिक न्यायधीश जनपद गाजियाबाद) उच्च न्यायालय इलाहाबाद।, माननीय कानून मंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ। प्रमुख सचिव (विधि एंव न्याय) महोदय उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को भी प्रेषित की है।

हाउस टैक्स में 3 से 5 गुना वृद्धि के विरोध में महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने दिया विधायक संजीव शर्मा को ज्ञापन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति कर नियमावली 2000 यथा संशोधित एवं नगर निगम अधिनियम 1959 की सुसंगत धाराओं के विपरीत जाकर है हठपूर्वक संपत्ति करो में 3 से 5 गुना तक वृद्धि कर के नोटिस एवं बिल देने के संबंध में महानगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान एवं महामंत्री अशोक चावला के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार में शहर विधायक संजीव शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आवासीय एवं व्यवसायिक कर टैक्स 3 से 5 गुना तक वृद्धि करते हुए बल एवं नोटिस दिया जा रहा है। किसी-किसी के क्षेत्र में व्यवसायिक कर 10 गुना तक भी बढ़कर दिया गया है। यह गाजियाबाद के नागरिकों के साथ अन्याय है इसलिए आपसे अनुरोध है कि डीएम सर्किल रेट के आधार पर टैक्स नहीं लगाया जाए इसके साथ ही कुछ बिंदुओं पर आपको अवगत कराना चाहते हैं जो इस प्रकार है। नगर निगम अधिनियम की धारा 174 (ख) के अनुसार प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार ही संपत्ति करो टैक्स में वृद्धि की जा सकती है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वर्ष 2023 2024 में संपत्ति करो टैक्स की वर्तमान दरों में 10% की वृद्धि की जा चुकी है। जो वर्ष 2024 2025 अंतर्गत 31.3.2025 तक लागू है। गाजियाबाद नगर निगम में वर्तमान में जिन किराया की दरों पर संपत्ति करो की दरें लागू है। उन्हें 3 से 5 गुना तक एक साथ बढ़ाना किसी भी तरह से उचित प्रतीत नहीं होता है। इससे गाजियाबाद की जनता में असंतोष एवं गुस्सा है और सरकार की बदनामी भी हो रही है। गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारी अपनी संपत्तियों जैसे रामतेराम रोड शॉपिंग कंपलेक्स और नेहरू नगर में बनाए गए ऑडिटोरियम को कई वर्ष बीतने के बाद भी अपनी इन संपत्तियों को डीएम सर्किल रेट आधारित किराए पर नहीं उठा पाए हैं तो आम नागरिकों पर 3 से 5 गुना तक वृद्धि करना न्याय संगत नहीं है। उपरोक्त कथनों में देखते हुए यह मानने को पर्याप्त आधार है कि आम नागरिकों पर नियम विरुद्ध जाकर संपत्ति करो में वृद्धि डीएम सर्किल रेट आधारित किराए की दरों पर नहीं होना चाहिए। वर्तमान लागू संपत्ति करो को 3 से 5 गुना तक बढ़ाया जाना किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं है। इसलिए संपत्ति करो में जायज वृद्धि के लिए धारा 174(ख) में डीएम सर्किल रेट आधार को छोड़कर अन्य दो विकल्पों के आधार पर संपत्ति करो में वृद्धि के प्रस्ताव तैयार करके, नियम अनुसार प्रक्रिया पूरी करके,सदन की स्वीकृति, अनुमति लेकर ही संपत्ति करो में वृद्धि किया जानी तर्कसंगत होगी। ज्ञापन में उन्होंने आग्रह किया है कि गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों को उपरोक्त के संबंध में न्याय संगत कार्रवाई करने के लिए जनहित में आदेशित करने की कृपया करें तथा तब तक पूर्व से लागू संपत्ति करो को ही जारी रखा जाए।

चेयरमैन बृजमोहन सिंगल, अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, महामंत्री अशोक चावला, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजदेव त्यागी, उपाध्यक्ष मोनू गोयल, युवा जिला महामंत्री डॉ. रघुराज, महामंत्री वसीम अली, संजय नगर व्यापार मंडल के चैयरमेन प्रदीप गर्ग,अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजा त्यागी, पूर्व कोषाध्यक्ष बबलू सिंह, उपाध्यक्ष एसपी सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष रितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवनीश त्यागी, दीपक त्यागी, शास्त्री नगर व्यापार मंडल के चेयरमैन कुंवर पाल, अध्यक्ष सुधीर चौधरी, महामंत्री मोहित कुमार, विजयनगर सेक्टर-9 व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेश राजपूत, अध्यक्ष 11,12 प्रताप बिहार शिशुपाल वर्मा, महामंत्री प्रमोद गर्ग, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ नगर व्यापार मंडल हर्ष कुमार, सेक्टर 12 प्रताप विहार व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा, उपाध्यक्ष पंकज शर्मा और समस्त व्यापारी गण उपस्थित रहे।

आयकर अफसर की सात करोड़ की संपत्ति होगी कुर्क, अभी जारी है सीबीआई जांच

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। सीबीआई कोर्ट संख्या एक के विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निरोधक ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में तत्कालीन अतिरिक्त आयकर आयुक्त अमित निगम की सात करोड़ से अधिक की 14 संपत्तियों को कुर्क करने का अंतरिम आदेश दिया है। सीबीआई जांच के बाद सामने आया कि गलत ढंग से अर्जित की गईं ये संपत्तियां गाजियाबाद, लखनऊ, हरदोई, बाराबंकी और गोवा में अमित निगम व इनके परिवार के नाम पर हैं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 22 सितंबर, 2022 को तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उप आयुक्त, संयुक्त आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त के रूप में पदस्थापन और कार्य के दौरान आरोपी ने सात करोड़ से अधिक की संपत्ति अर्जित की। एक जनवरी, 2008 से 30 जून, 2018 की अवधि के दौरान नई दिल्ली, मुरादाबाद, लखनऊ और अन्य स्थानों पर आयकर कार्यालयों में लोकसेवक के रूप में काम करते हुए उन्होंने भ्रष्ट आचरण किया। उन्होंने अपने ज्ञात आय के स्रोत से अधिक करीब 7.52 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की। जांच के दौरान वह संतोषजनक हिसाब नहीं दे पाए। सीबीआई का कहना है कि जांच अभी जारी है।

दिल्ली संत महामंडल के संस्थापक अध्यक्ष राघवानंद महाराज हुए ब्रह्मलीन

राघवानंद महाराज ने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, शिक्षा, पर्यावरण व नारी सशक्तिंकरण के लिए समर्पित कर दिया था: श्रीमहंत नारायण गिरि

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली संत महामंडल के संस्थापक अध्यक्ष राघवानंद महाराज ब्रहमलीन हो गए। उनके ब्रहमलीन होने की जानकारी मिलते ही देश भर में शौक की लहर दौड गई। दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने उनके ब्रह्मलीन होने को संत समाज व सनातन धर्म की अपूरणीय क्षति बताया। दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज, संगठन मंत्री श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत कंचन गिरि महाराज, कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज समेत दिल्ली संत महामंडल के सभी पदाधिकारियों, देश भर के संतों, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, इंद्रप्रस्थ विश्व संवाद सेवा केंद्र आदि संगठनों के पदाधिकारियों ने भी उनके निधन को बहुत बडी क्षति बताया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि दिल्ली संत महामंडल के संस्थापक अध्यक्ष राघवानंद महाराज बहुत ही तपस्वी व सिद्ध संत थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन हिंदू सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति व परम्परा का परचम विश्व भर में फहराने के लिए समर्पित कर दिया था। वे हम सभी के प्रेरणास्त्रोत थे और उनसे प्रेरणा लेकर हजारों लोगों ने अपना जीवन हिंदू धर्म को मजबूत करने व समाज तथा देश सेवा के लिए समर्पित किया। वे भले आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर धर्म, आध्यात्म, पर्यावरण, नारी सशक्तिकरण, शिक्षा, व समाज के लिए उन्होंने जो कार्य किए, वे उन्हें हम सभी के दिलों में बसाए रखेंगे। दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज ने कहा कि दिल्ली संत महामंडल के संस्थापक अध्यक्ष राघवानंद महाराज का अचानक ही ब्रहमलीन हो जाना, ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई हो पाना संभव नहीं है। दिल्ली संत महामंडल के संगठन मंत्री श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत कंचन गिरि महाराज ने कहा कि दिल्ली संत महामंडल के संस्थापक अध्यक्ष राघवानंद महाराज ने धर्म, आध्यात्म, देश व समाज सेवा की जो ज्योत जलाई है, वह हम सभी को प्रेरित करती रहेगी। दिल्ली संत महामंडल के कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज ने कहा कि राघवानंद महाराज का आकिस्मक चले जाना सनातन धर्म की ही नहीं देश की भी बहुत बडी क्षति है।

पूर्व गवर्नर चौधरी सतपाल सिंह मलिक के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे रालोद प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल चौधरी

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। दिल्ली स्थित राममनोहर लोहिया अस्पताल में अपना इलाज करा रहे पूर्व गवर्नर चौधरी सत्यपाल सिंह मलिक के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे रालोद युवा प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल चौधरी व उनके नोएडा उद्यमी साथी। दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में खराब स्वास्थ्य के चलते भर्ती हुए पूर्व गवर्नर सत्यपाल सिंह मलिक का हाल-चाल जानने के रालोद प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल चौधरी अपने उद्यमी साथी प्रमोद चौधरी के साथ अस्पताल में पहुंचे। जहां उन्होंने सत्यपाल सिंह मलिक से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही ईश्वर से सत्यपाल सिंह मलिक के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

गंगा दशहरा आज: बृजघाट पर झाड़ू लगाते दिखे डीएम, दो लाख श्रद्धालु पहुंचे, जयकारों से गूंजने लगे घाट

हिन्द आत्मासंवाददाता

बृजघाट। ज्येष्ठ माह के गंगा दशहरा मेले में स्नान करने के लिए पतित पावनी मां गंगा के किनारे आस्था का आस्था का जनसैलाब उमड़ने लगा है। धीरे-धीरे यहां पर श्रद्धालुओं की संख्या करीब 2 लाख के करीब पहुंच गई है। सुबह से चलने वाला स्नान निरंतर चल रहा है। बृहस्पतिवार को यहां पर मुख्य स्नान का आयोजन किया जाएगा जिसको लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने कड़े बंदोबस्त कर दिए गए हैं। बुधवार की सुबह को मां गंगा की जलधारा में दिल्ली हरियाणा राजस्थान समेत आसपास के जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने स्नान शुरू कर दिया जो निरंतर चलता रहा। गंगा किनारे श्रद्धालुओं ने पूजा पाठ कर्मकांड भी किया। बृहस्पतिवार को होने वाले गंगा दशहरे से पहले गंगा नगरी में अतिक्रमण के खिलाफ जहां अधिकारियों का अभियान चला। वहीं जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने भी सफाई अभियान चलाया। इससे पूर्व मंगलवार की रात को मंडल आयुक्त ने यहां पर पैदल मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

कस्बा निवाड़ी में विद्युत स्मार्ट मीटर लगाने का ग्रामीणों ने किया जबरदस्त विरोध

सुरक्षा की दृष्टि से पंचायत के आसपास भारी संख्या में पुलिस फोर्स रही तैनात

हिन्द आत्मासंवाददाता

मोदीनगर। कस्बा निवाडी में ग्रामीणों ने पंचायत कर विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर का जमकर विरोध किया।पंचायत में जहां किसान मजदूर सहित नगर पंचायत सभासदों ने भाग लिया वहीं सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी मौजूद रहा। बुधवार को नगर पंचायत टंकी के पास कस्बा निवाड़ी निवासी किसान मजदूरों सहित नगर पंचायत सभासदों ने विद्युत विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए जाने की सूचना मिलने पर अचानक एक पंचायत का आयोजन किया। इस पंचायत की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी ने की तथा संचालन वीरेंद्र त्यागी द्वारा किया गया। पंचायत में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन के दौरान विद्युत विभाग द्वारा लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से ग्रामीणों को समझाते हुए इस कार्यवाही का विरोध करने की बात कही। बताया गया कि किसानों व मजदूरों को हर महा बिजली का बिल जमा करने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि किसानों की फसल जैसे गेहूं, धान, आम के बागो से जो कमाई होती है वह साल भर में आती है कभी-कभी तो आंधी बारिश के चलते फसल नष्ट हो जाने के कारण किसान हर महा बिजली का बिल जमा करने में असमर्थ हो जाएगा। आर्थिक स्थिति दिन पर दिन कमजोर होती जा रही है इसके अलावा विश्व में भी आर्थिक मंदी का दौर जारी है सभी लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्मार्ट मीटर मोबाइल की तरह रिचार्ज होगा जो कि बगैर रिचार्ज के आपका पंखा गर्मी में नहीं चलने का है किसानो व मजदूरों में इसको लेकर बड़ा रोश देखने को मिला क्षेत्र के किसान व मजदूर इसको लेकर बड़े स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं।

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र आर्यन गोयल का (जेईई एडवांस) परीक्षा में रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र आर्यन गोयल ने देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में माने जाने वाली (जेईई एडवांस) (संयुक्त प्रवेश एडवांस परीक्षा) को उत्तीर्ण कर स्कूल व अपने माता-पिता सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया। मेधावी छात्र आर्यन गोयल को परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद से ही बधाई मिलने का सिलसिला जारी। निवाड़ी स्थित सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र आर्यन गोयल ने जेईई एडवांस की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में उत्तम स्थान प्राप्त कर स्कूल अध्यापकों एवंअभिभावक दोनों का नाम रोशन किया।छात्र आर्यन गोयल के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जहां उसके साथी छात्र-छात्राओं में खुशी का माहौल है वहीं स्कूल प्रबंधक तुषार गुप्ता, डॉ० शिखा दरबारी एवं स्कूल प्रधानाचार्य डॉ० सरिता सिंधु ने आर्यन गोयल को बधाई देने के साथ ही उसके अभिभावकों की जागरूकता एवं कठिन परिश्रम की सराहना करते हुए उनके होनहार पुत्र के सुनहरे भविष्य के लिए ईश्वर से कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की।

अमिताभ बच्चन एवं ऐश्वर्या राय पसंद है: एरोल मस्क

दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी एरोल मस्क और एक्टर रांझा विक्रम सिंह ने एफडीआई के जरिये भारत में निवेश पर की चर्चा

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। हाल ही में, अमेरिकी/दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी एरोल मस्क और हिंदी, पंजाबी, तेलुगु फिल्मों में हीरो और विलेन के कई उल्लेखनीय भूमिकाएं निभा चुके और फिल्म 'हीरोपंती' में रज्जो फौजी के रूप में बेहतरीन सराहना पा चुके प्रसिद्ध अभिनेता रांझा विक्रम सिंह और उनके भाई और दुबई से उद्यमी उदयजीत सिंह भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के जरिये बेहतरीन निवेश पर कई दौर की चर्चा की। एफडीआई के जरिये बेहतरीन निवेश पर चर्चा की शुरूआत उदयजीत सिंह ने की। चूंकि एरोल मस्क को बॉलीवुड बहुत पसंद है, ऐसे में उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के प्रति अपने प्यार और अपने पसंदीदा एक्टर अमिताभ बच्चन को भी अपनी चर्चा के केंद्र में रखा। साथ ही अपने बेटे एलन मस्क और अपने भविष्य के विजन के बारे में भी बात की। उन्होंने यह भी जानकारी साझा की कि एलन मस्क के सवाल पर उन्होंने कहा बहुत मेहनती है बहुत काम कर रहा है उसे आराम की जरूरत है हालांकि, अपनी चर्चा में उन्होंने भारत को पसंदीदा देश बताया और अपने इस भारत दौरे के लिए उदय सिंह का आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि रांझा विक्रम सिंह को आखिरी बार शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में एक विशेष भूमिका में और पंजाबी फिल्म 'माइनिंग' में मुख्य भूमिका में देखा गया था। रांझा विक्रम सिंह ने इस आयु में भी एरोल मस्क की ऊर्जा और विनम्र स्वभाव की प्रशंसा करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और उनके भारत की इस यात्रा को लेकर सफलता की कामना की।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मीट शॉप पर की कार्यवाही

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। अरविंद कुमार यादव, सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड II, जनपद गाजियाबाद ने अवगत कराया कि बाग वाली कॉलोनी रोड शास्त्री नगर गाजियाबाद स्थित हलाल चिकन शॉप प्रोपराइटर मोहम्मद आमिर कुरैशी के मीट शॉप पर चिकन की स्लाटरिंग होते हुए पाया गया। स्लाटरिंग प्रयुक्त होने वाले समस्त उपकरणों को सील कर दिया गया है तथा अवैध स्लेटरिंग करने के अपराध में सक्षम धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। साथ ही कुरैशी चिकन और मटन मीट शॉप प्रोपराइटर मुरसलीन की मीट शॉप पर साफ–सफाई एवं खाद्य रजिस्ट्रेशन की शर्तों का उल्लंघन पाया गया जिसमें संबंधित खाद्य कारोबारी के विरुद्ध भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है। दिनांक 02 जून को कनावनी पुलिया इंदिरापुरम स्थित मीट शॉप को बिना खाद्य पंजीकरण के संचालन करते पाया गया, जिसमें कारोबारी गुड्डू कुरैशी के विरुद्ध भी अधिनियम की धारा 58 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत हो रहा है तथा दुकान को तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया है। कनावनी पुलिया स्थित पप्पू मटन शॉप पर खाद्य रजिस्ट्रेशन की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया है तथा नियत समय पर अपेक्षित सुधार न किए जाने पर खाद्य रजिस्ट्रेशन को निलंबित किए जाने की चेतावनी दी गई है। विंडसर मार्केट इंदिरापुरम स्थित लखनऊ वाले कबाबी नॉन वेज रेस्टोरेंट पर साफ सफाई एवं रोस्टेड चिकन एवं मटन के टुकड़ों को खुले में प्रदर्शित करने तथा रजिस्ट्रेशन की शर्तों के उल्लंघन के कारण संबंधित प्रतिष्ठान को सुधार नोटिस प्रेषित की गई है। इसके साथ ही शिप्रा मॉल स्थित स्ट्रीट फूड मार्केट में 20 स्ट्रीट फूड वेंडर्स का सघन निरीक्षण कर सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराए जाने की दृष्टिगत निर्देश दिए गए तथा समस्त को खाद्य रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर ही खाद्य कारोबार किए जाने के लिए सूचना दी गई। खाद्य सुरक्षा की टीम में आशुतोष राय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, नरेंद्र कुमार, अमित कुमार सिंह, अंशुल पांडे, देवांश चतुर्वेदी आदि शामिल रहे।

धूमधाम से मना लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट के संस्थापक रामदुलार यादव का 73वां जन्मदिन

हिन्द आत्मा संवाददाता

साहिबाबाद। लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव शिक्षाविद का 73वां जन्म दिन समारोह समर्थकों, शुभ चिंतकों द्वारा आयोजित किया गया, शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव पार्क जी० टी० रोड साहिबाबाद के प्रांगण में हजारों लोगों ने मीठा निर्मल जल ग्रहण कर उन्हें शुभ कामना दी तथा फूल-मालाओं, पुष्प गुच्छों के साथ पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं, ज्ञानपीठ केन्द्र के साथियों सहित सैकड़ों लोगों ने दीघार्यु की कामना की, जोरदार नारे लगाये गये, गजब का उत्साह-उल्लास कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहा था, कार्यक्रम का सन्देश, उद्देश्य 'जन-जन में सद्भाव, प्रेम और भाईचारा, यही पैगाम हमारा' को प्रचारित-प्रसारित करना था। ज्ञानपीठ केन्द्र के प्रांगण में छात्रों, प्रतियोगी छात्रों व राजनैतिक कार्यकताओं को पुस्तकें भेंट की गयी। इस अवसर पर शिक्षाविद समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव ने सभी शुभ चिंतकों, समाजवादी साथियों, गणमान्य विद्वानों, ज्ञानपीठ केन्द्र के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश वासियों से कहा था कि दुनिया में हम तभी सम्मान प्राप्त कर सकते है जब हम आन्तरिक दृष्टि से मजबूत होंगे, तथा नफरत, असहिष्णुता, भय, ईर्ष्या, अहंकार का वातावरण नहीं बनने देंगे बल्कि पूरी ताकत से उसे रोकने का कार्य करेंगे, जिससे समाज, देश में अनाचार, अत्याचार और अन्याय न फैले, हमें सद्भाव, भाईचारा, प्रेम और नैतिक आचरण को सुदृढ़ करने के लिए पूरी शक्ति लगाकर कार्य करना चाहिए लेकिन आजादी के 76 वर्ष बाद भी हम स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के सपनों का भारत नहीं बना पाए। अहंकारी, सामंतवादी ताकतें लूट और झूठ का वातावरण बना देश के संसाधनों को चन्द लोगों का कब्जा करवा रही हैं, देश की सम्पूर्ण पूंजी का 40% हिस्सा 1% लोगों के पास है, 100 करोड़ लोग चिकित्सा और शिक्षा से वंचित है, 83% ग्रेजुएट इंजी०, 50% एमबीए डिग्री धारक बेरोजगार हैं, ट्रांस्परेसी इंडेक्स 2024 भारत भ्रष्टाचार में 180 देशों में 116वें स्थान पर है, प्रेस की आजादी में विश्व के 180 देशों में 161 वें स्थान पर, भारत मानव पूंजी सूचकांक में 174 देशों में 116 वें स्थान पर और विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2025 में 147 देशों में 118 वें स्थान पर है, आज सरकार की गलत नीतियों के कारण हर वर्ग परेशान है, बेरोजगारी, मंहगाई बढ़ती जा रही है, कानून व्यवस्था ध्वस्त है, सत्ता की धमक हर तरह के अपराध करवा रही है, गरीब, गरीब होता जा रहा है, अमीरी बढ़ रही है, शिक्षा और चिकित्सा पर सरकार को अधिक बजट में व्यवस्था करनी चाहिए, तभी जनता का कल्याण होगा, गैर बराबरी कम होगी, इस सरकार में शिक्षा, चिकित्सा की हालत गम्भीर, आम आदमी की पकड़ से बाहर हो गयी है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे, महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी वरिन्द्र यादव एडवोकेट, डा० देवकर्ण चौहान, समाज सेविका फूलमती यादव, ठाकुर विक्की सिंह, इंजी० धीरेन्द्र यादव, सरदार अवतार सिंह काले, शिशिर यादव, डा० ओम प्रकाश यादव, वीर सिंह सैन, ओम प्रकाश अरोड़ा, डा० सरोज यादव, रिशिका प्रकाश, अर्जुन, निशांत, सौरभ यादव, अयांश, अबीर, सरदार तरविंदर सिंह, जीता सिंह, अंकुर यादव एडवोकेट, रिवासा, ऋचा, शानू, रोशनी, जुमनी, सोनम, राहुल यादव, किरण कालिया, अनामिका यादव, महिला नेत्री मालती चौहान, चक्रधारी दुबे, अवधेश यादव, अंशु ठाकुर, रोहित माथुर, राजन कश्यप, शिवानन्द चौबे, चन्द्रबली मौर्य, कैलाश चन्द्र, अमृत लाल चौरसिया, ब्रह्म प्रकाश, ताहिर अली, यासीन, वीरेन्द्र यादव बिन्नू, अवधेश मौर्य, जगन्नाथ प्रसाद, फूल चन्द पटेल, सम्राट सिंह, हाजी मोहम्मद सलाम, प्रतिभा, अभिषेक, मुनीव यादव, चिंतामणि यादव, धर्मवती, राजपाल यादव, सोनिया, बाला, ओमवती, विनोद त्रिपाठी, अनिल मिश्र, राजेन्द्र सिंह, हुकुम सिंह, जसवीर सिंह, पप्पू सिंह, हरिकृष्ण, दिलीप यादव, प्रेम चन्द पटेल राजीव गर्ग, शिवम्-पाण्डेय, सुरेश कुमार भारद्वाज, नागेन्द्र मौर्य, सहित सैकड़ों लोगों ने शुभकामना प्रेषित की।

सम्पादकीय

क्रूर व्यवहार...

दिव्यांग जनों को सामान्य नागरिक अधिकार और सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर सुनिश्चित कराना सरकारों के सामने बड़ी चुनौती है। शिक्षा का स्तर ऊंचा होने के बावजूद, आज भी ऐसे लोगों के प्रति हमारे समाज का नजरिया संकुचित और अनेक बार अमानुषिक ही देखा जाता है। हालांकि सरकारें ऐसे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, चिकित्सा, प्रशिक्षण आदि के लिए अलग से वित्तीय प्रबंध करती हैं, इनके लिए चलाए जा रहे केंद्रों को प्रोत्साहित करती हैं। फिर भी दिव्यांग जनों के जीवन में अपेक्षित बेहतरी नजर नहीं आती। इसलिए कि बहुत बार न केवल समाज के सामान्य लोगों, बल्कि उनके लिए विशेष रूप से चलाए जा रहे केंद्रों का दृष्टिकोण भी अमानवीय ही होता है। इसका ताजा उदाहरण देहरादून के एक केंद्र में मानसिक रूप से कमजोर दो सगे भाइयों के साथ क्रूर व्यवहार और यौन शोषण का है। यह केंद्र विशेष लालन-पालन और शिक्षा की दरकार वाले बच्चों के लिए खोला गया था। उसमें छात्रावास का भी प्रबंध था। खबर के मुताबिक, दिल्ली की एक संस्था ने देहरादून में किराए के भवन में यह केंद्र खोला था। मगर उस केंद्र में बच्चों की देखरेख करने वाला एक कर्मचारी वहां के बच्चों का यौन शोषण और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। सगे भाइयों ने अपनी मां से आपबीती बताई, तो उसने प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य बाल कल्याण समिति ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को बंद करा दिया है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि इससे कितने ऐसे केंद्र सबक लेंगे। यह कोई पहली घटना नहीं है। दिव्यांगजनों, महिलाओं, अनाथ बालिकाओं, बेसहारा बच्चों के लिए बने केंद्रों में प्रताड़ना और यौन शोषण के मामले अक्सर उजागर होते रहते हैं। प्रताड़ना, दुर्व्यवस्था आदि से परेशान होकर अनाथालयों, बाल सुधार गृहों से बच्चों के पलायन की खबरें भी जब-तब सुनने को मिल जाती हैं। हर बार ऐसे केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त करने के संकल्प दोहराए जाते हैं, पर नतीजा वही ढाक के तीन पात रहता है। इस प्रवृत्ति के पनपने के पीछे बड़ी वजह है कि दिव्यांगों, बेसहारा बच्चियों आदि के लिए चलाए जाने वाले केंद्रों का मकसद लाभ कमाना अधिक होता है। उनकी नजर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय मदद पर अधिक रहती है। यही वजह है कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए प्रशिक्षित और निष्ठावान अध्यापकों, पालकों, कर्मचारियों की जरूरत को सिरे से अनदेखा किया जाता है। ज्यादातर जगहों पर घरेलू सहायक और सामान्य रसोइया किस्म के कर्मचारियों से काम चलाया जाता है। दिव्यांग जनों, खासकर मानसिक रूप से दुर्बल माने जाने वाले विशेष बच्चों की देखरेख और शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत होती है। ऐसे कर्मचारी तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण संस्थान भी चलाए जाते हैं। मगर सरकारी अनुदान से स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे बहुत सारे केंद्रों में धन की बचत के लोभ में कम वेतन पर अक्सर अप्रशिक्षित और गैर-जिम्मेदार कर्मचारी भर्ती कर लिए जाते हैं। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि जो बच्चे जन्म से दिव्यांगता का दंश झेल रहे हैं, उनके मन पर ऐसे केंद्रों के कर्मचारियों के अमानुषिक व्यवहार का कैसा प्रभाव पड़ता होगा। ऐसी घटनाएं केवल कुछ कानूनी नुक्तों के आधार पर की जाने वाली कार्रवाइयों से नहीं रुकने वालीं। संस्था चलाने वालों में करुणा पैदा होना जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	**अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक	:	**राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

5 जून 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर विशेष

पर्यावरण को संरक्षित एवं स्वस्थ रखने के लिए हमें वन संपदा का संरक्षण करना होगा

नरेंद्र कुमार शर्मा,
राष्ट्र पुरस्कृत शिक्षक

1975 से प्रतिवर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह अच्छी बात है कि, पर्यावरण को लेकर, पूरा विश्व चिंतन कर रहा है। परंतु एक ही दिन पर्यावरण के लिए चिंतन करना तो पर्याप्त नहीं। पर्यावरण तो इस सीमा तक विकृत हो गया है, जिसकी चिंता सभी को करनी चाहिए। प्रतिवर्ष पर्यावरण की सुरक्षा के लिए, समृद्धता के लिए एक थीम निश्चित की जाती है और फिर जागरूक लोग और उत्तरदायी संस्थाएं, इसके अनुसार कार्य करते हैं, करवाते हैं तो वर्ष 2025 के लिए थीम है-'प्लास्टिक प्रदूषण को हराना।' प्लास्टिक आज ऐसी स्थिति में है कि बिना प्लास्टिक प्रयोग के जीवन संभव ही नहीं है। अब तक प्लास्टिक का प्रयोग प्रायः बड़े छोटे बर्तनों, जूते, चप्पलों अथवा जलावरोधक के रूप में होता था। परंतु अब तो वह इतनी विकृत स्थिति में आ गया है, कि इसके सूक्ष्म कण सांस के साथ हमारे शरीर में भी प्रवेश करने लगे हैं। पर्यावरण पर तो प्लास्टिक का बहुत ही बुरा प्रभाव देखा जा सकता है। पॉलीथिन प्लास्टिक का ही एक अंश है। यह अपने आप में वर्षों तक नष्ट नहीं होता। यह पृथ्वी पर खेतों में, जंगलों में यदि भूमि की प्रथम सतह के नीचे आ जाए, तो उसके उर्वरा शक्ति को समाप्त कर देता है। इसकी बनी थैलियों में रखा गर्म ठंडा समान, इसके सूक्ष्म अणुओं के संपर्क में आ जाता है और किसी न किसी रूप में हमारे भोजन में हमारे पाचन तंत्र में, हमारे आंतरिक अंगों में प्रवेश कर जाता है जो कालांतर में किसी भयावह रोग का कारण बनता है। आज तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण हमारे अन्न उत्पादक क्षेत्र हमारे आवास, हमारे जीवन यापन के साधन काम होते जा रहे हैं। भोजन और आवास तो सभी को अनिवार्य रूप की श्रेणी में आता है। मनुष्य ने जंगल काटकर खेत बनाए, आवास बनाए। जंगल कट जाने से पेड़ों की संख्या घटी। ऑक्सीजन का नैसर्गिक उत्पादन घटने लगा और जीवों के श्वास से निकली, कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढा जो कि जीव जंतुओं तथा पर्यावरण के लिए खतरे का संकेत हैं। मानव के तथा कथित 'विकास' के लिए प्राकृतिक साधनों साधनों का विनाश निश्चित रूप से हो रहा है। वहीं जल तथा वायु अभी हमें प्राकृतिक रूप से मिल रही थी। परंतु हमने ही विकास के नाम पर जो अंधाधुन्ध कार्य किए हैं तथा अनावश्यक जल दोहन, वृक्षों का भारी कटान, औद्योगिकरण, जल से बिजली निर्माण जीवाश्म ईंधन का बेहद दोहन एवं अपवयन आदि आदि इन सबसे न केवल मानवता ही अपितु पृथ्वी एवं पर्यावरण भी प्रभावित हुए हैं। प्राकृतिक समय चक्र लड़खड़ा गया है। ऋतु परिवर्तन नैसर्गिक नहीं रहा। सर्दियों में, बरसात और गर्मी, गर्मी में बारिश एवं आंधी अंधड, वर्षा ऋतु में भीषण गर्मी का सामना हम लोग कर रहे हैं और इस परिवर्तन को चलते कल्पनीय, अकल्पनीय रोगों की जकड़ में आते जा रहे हैं। बहुत से जंतु तथा वनस्पति इस परिवर्तन के कारण विलुप्त हो गए हैं और आगामी 10 वर्षों तक हजारों की संख्या में जंतु तथा वनस्पतियों की प्रजातियां लुप्त हो जाएंगे। एनसीआर में तो पिछले 10 वर्षों से गिद्ध प्रजाति देखी ही नहीं जा रही। नगरों में गौरैया, कौवा, गुरशल जैसी आम चिड़िया भी नहीं देखी जा रही। आज विश्व के कई देशों में युद्ध चल रहे हैं। युद्ध के बारूदी हथियारों के कारण प्रभावित क्षेत्र का तापक्रम सामान्य से बहुत ऊपर हो जाता है। पूरी पृथ्वी का तापक्रम निरंतर बढ़ रहा है। फल स्वरुप हिमनद (ग्लेशियर) पिघलने लगे हैं, तेजी से पिघलने लगे हैं। जिससे पीने के पानी तथा समुद्र सतह के बढ़ने से समस्या उत्पन्न हो जाएगी। समुद्र के किनारे से 5 किलोमीटर दूर तक बसे लोगों को विस्थापित करना पड़ जाएगा। इतनी भूमि जलमग्न हो जाएगी। कल्पना मात्र से ही भय लगता है। आजकल प्राकृतिक आपदाएं हर महीने कहीं ना कहीं आई रहती हैं। जहां सूखा पड़ता था, वहां जल प्रलय हो रही है। जहां नियमित वर्षा होती थी वहां सूखा पड़ने लगा है। चक्रवातीय तूफान जल और जमीन दोनों पर अपना भयंकर रूप दिखा रहे हैं। पर्वत भी अब अचल और अडिग नहीं रहे हैं। वहां भी भूस्खलन जैसी विभीषिका आने लगी हैं। घाटी में बसे गांव के गांव तबाह हो जाते हैं, जब पहाड़ टूटता है। पहले तो मुहावरा ही था- पहाड़ टूटना अब तो साक्षात देखा जा सकता है।

ऐसी आशा निराशा के बीच झूलने के बजाय, इस दिशा में कुछ कार्य किए जाएं तो संपूर्ण समाधान ना सही गिलहरी वाला योगदान तो हो ही सकता है ।जब आप और हम इस दिशा में कार्य करेंगे तो अन्य लोग, संगठन, नगर तथा राष्ट्र भी जुड़ेंगे... तो देखते हैं मनुष्य क्या कर सकता है ? हम इस दिशा में क्या-क्या कर सकते हैं। पर्यावरण को संरक्षित एवं स्वस्थ रखने के लिए हमें वन संपदा का संरक्षण करना होगा। अपने स्तर से अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। जितने वृक्ष अधिक होंगे, उतनी ही ऑक्सीजन हमें अधिक मिलेगी और कार्बन डाइऑक्साइड की खपत बढ़ेगी। पारिस्थितिक तंत्र दृढ़ होगा। वृक्ष लगाने की आदत बनाएं। अपने किसी विशेष अवसर पर वृक्ष अवश्य लगाएँ।

- -पानी को व्यर्थ न बहाएं। जितनी आवश्यकता हो उतना ही पानी प्रयोग करें। टपकती नल की टोटियों को ठीक करवाएं। जल का पुनर्चक्रण करवाए और इस चक्रित जल का प्रयोग खेती-बाड़ी बाग बगीचों में करें।
- -वायु प्रदूषण को नियंत्रित करें। अनावश्यक रूप से हाइड्रोकार्बन ना जलाएं। कार्बन का स्तर बढ़ाने ना दें। वायु में प्लास्टिक आदि ना जलाएं जहां तक हो सके धूम्र रहित ईंधन का प्रयोग करें ।डीजल पैट्रोल वाले वाहनों का प्रयोग कम करें। दैनिक/साप्ताहिक हवन करें।
- -भूमि के स्वास्थ्य की भी हमें चिंता करनी चाहिए। भूमि को रासायनिक खादों से, रासायनिक पदार्थ से सुरक्षित रखना होगा। भूमि पर वृक्षारोपण करें ताकि भूमि की उपजाऊ सतह ढीली ना पड़े। समय पर पानी तथा जैविक खाद का प्रयोग करें।
- -पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पालिथीन से दूरी बनाए। इसके स्थान पर कपडे, जूट अथवा कागज की थैली थैला, प्रयोग कर सकते हैं। गीला सूखा कचरा प्रबंधन करें।
- -पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए ऊर्जा का संरक्षण बहुत आवश्यक है। इसके लिए अनावश्यक रूप से ऊर्जा का दोहन ना करें। घरों में, कार्यालय में, अनावश्यक बिजली के उपकरण पंखा लाइट आदि का प्रयोग ना करें। एकल वाहन का प्रयोग कम से कम करें। यातायात में निजी वाहनों की अपेक्षा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करें। जहां तक संभव हो नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग करें। अनावश्यक प्रयोग से बचना चाहिए। परिजनों को एक साथ भोजन करने का प्रयास करना चाहिए। इससे ऊर्जा की खपत कम होगी तथा आपसी सद्भाव बढ़ेगा।
- -पर्यावरण से संबंधित विचार गोष्ठी, वाद विवाद प्रतियोगिताएं, कला प्रतियोगिताओं, नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा जनसाधारण को जागरूक किया जाए। जागरूकता के लिए महाविद्यालय तथा विद्यालयों को सम्मिलित किया जाए। और अंत में, पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऐसा कुछ अवश्य करें जिससे पर्यावरण को लाभ हो।

दिल्ली सरकर के 100 दिन सेवा के, 100 दिन विश्वास के

दिल्ली सरकार ने अंत्योदय के लक्ष्य को मूर्त रूप देने वाले ऐतिहासिक कदम उठाए; अश्वितीय बदलावों की मिसाल बनी दिल्ली सरकार: सूद

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के 100 दिन विश्वास के, 100 दिन सेवा के अभियान के तहत 100 दिन की उपलब्धियों को साझा करते हुए गृह, विद्युत, शिक्षा एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। श्री सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब कल्याण को अपना सर्वोच्च कर्तव्य मानती है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय हमारा संकल्प है और गरीब कल्याण हमारा लक्ष्य है यह नारा केवल बयान नहीं, बल्कि इस सरकार की कार्यशैली का हिस्सा है। श्री सूद ने बताया कि सरकार ने गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के जीवन को सरल बनाने के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं। दिल्ली की झुग्गी-बस्तियों और निम्न आय वर्ग के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता दी जा रही है। खासकर उन वर्गों के लिए योजनाएं बनाई गई हैं जिन्हें वर्षों से उपेक्षित रखा गया था। यह सरकार गरीबों की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर योजनाओं का संचालन कर रही है। श्री सूद ने कहा कि हमारी सरकार का हर निर्णय गरीब, मजदूर और आम जन की भलाई के लिए है। इन 100 दिनों में हमने दिखा दिया कि यदि सेवा, संकल्प और समर्पण हो, तो बदलाव मुमकिन है। श्री सूद ने बताया कि बीजेपी सरकार बनते ही सबसे पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने 2500 मकानों को रहने लायक बनाने की दिशा में काम किया गया। पूर्ववर्ती सरकार ने इन मकानों पर मुख्यमंत्री नहीं लिखा होने के कारण इन्हें गरीबों को नहीं सौंपा था। इस कारण वर्षों से यह मकान खाली पड़े थे और गरीबों को घर का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब 43 करोड़ रुपये की लागत से इन मकानों को फिर से तैयार किया जा रहा है। दिल्ली सावधा बोर्ड के तहत यह निर्माण कार्य गरीबों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि कोई भी गरीब परिवार बेघर न रहे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि मैंने पहले भी कहा कि दिल्ली में किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा। हम आज भी इस संकल्प पर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि उ्व्वरक्ष में झुग्गीवासियों के उत्थान के लिए ₹700 करोड़ का बजट हमने प्रदान किया है। जबकि पिछली सरकार में बजट 31 मार्च की रात

11:50 बजे पेश किया गया, जिससे अगले दिन कोई सवाल भी नहीं पूछा जा सका। आज भी स्थिति यह है कि कई स्थानों पर टॉयलेट की हालत खराब है, स्नानगृह बने ही नहीं हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हम पूरी तरह से कटिबद्ध है कि कोई भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। लेकिन कुछ ऐसे नेता राजनीति में बने रहने के लिए अफवाहें फैला रहे हैं। श्री सूद ने आगे बताया कि इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट का केस नंबर हैः 8035/2024। हाई कोर्ट ने स्वयं कहा कि इस क्षेत्र को अर्बन फ्लडिंग रोकने के लिए खाली कराना आवश्यक है। पिछली बार यहां भारी जलभराव हुआ था, और वो भी आम आदमी पार्टी सरकार की नाकामी के कारण। यदि आम आदमी पार्टी चाहती, तो इन निवासियों को सम्मानजनक पुनर्वास उपलब्ध करा सकती थी। मगर उनके कथित बेरोजगार नेता और पंजाब में छिपे हुए उनके ह्यआकाह्व अब इन गरीब झुग्गीवासियों के सवालों का जवाब देने से बच रहे हैं। मगर सच यह है कि मदरासी कैंप को अर्बन फ्लडिंग परियोजना के तहत खाली कराया गया, और सरकार ने वहां के निवासियों को पुनर्वास प्रदान किया झ उन्हें तोड़ा नहीं गया। कुल 370 में से 215 परिवार पात्र पाए गए, और उन्हें सम्मानपूर्वक पुनर्वासित किया गया।

मैं, DUSIB का प्रभारी मंत्री होने के नाते, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी की ओर से और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आश्वासन के आधार पर, दिल्ली के सभी झुग्गीवासियों को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कोई भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। ₹700 करोड़ के बजट के साथ हर झुग्गी में सड़क, पानी, बिजली, टॉयलेट और महिला स्नान गृह जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। और यह मैं पूरी जिम्मेदारी से कहता हूंझ क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अंत्योदय हमारा लक्ष्य है और गरीब कल्याण हमारा कर्तव्य। श्री सूद ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। दिल्ली में हम 75 'सीएम श्री स्कूल' की स्थापना कर रहे हैं, जो आधुनिक तकनीक से युक्त होंगे। इनमें स्मार्ट क्लासरूम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित लर्निंग, रोबोटिक्स और डेटा साइंस जैसे विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। 100 करोड़ रुपये का विशेष बजट इन स्कूलों के लिए तय किया गया है। बच्चों को एआर/वीआर लैब, रोबोटिक्स, डेटा साइंस जैसी उन्नत सुविधाएं दी जाएंगी। इससे सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। अत्याधुनिक सीएम श्री स्कूलों में एआई-बेस्ड लर्निंग आउटकम्स पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन स्कूलों को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है ताकि गरीब बच्चों को भी वही अवसर मिल सकें जो निजी स्कूलों के बच्चों को मिलते हैं। डिजिटल शिक्षा पर फोकस करते हुए स्कूलों को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाया जाएगा। यहां छात्र केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि व्यावहारिक और आधुनिक शिक्षा से लैस होंगे। यह शिक्षा प्रणाली बच्चों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगी। सरकार का मानना है कि तकनीकी और डिजिटल क्रांति में गरीबों की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री सूद ने यह बताया कि 100 स्कूलों में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भाषा लैब की स्थापना की जाएगी।

Name Change

I HAVE changed my name from Gyanendra to Gyanendra Singh S/o Bhaghat Singh, R/o H.No-24, Mehla Mohalla Madan Pur Khader, Sarita Vihar, South Delhi, Delhi-110076, for all future purposes.

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की

अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्त्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं।

प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि.

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 05.06.2025

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

ई-निविदा सख्या 06/2025-26/EDC/GZB विद्युत वितरण खण्ड-मोदीनगर के अन्तर्गत उपखण्ड-प्रथम/द्वितीय/तृतीय के अधीन विभिन्न 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्रों के कार्यक्षेत्र में आंधी तूफान (दैविय आपदा), के कारण से ब्रेक डाउन को न्युनतम अवधि में अटेण्ड कर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनाये रखने एवं विद्युत तंत्र/ सामग्री पुर्नस्थापन करने संबंधी कार्य। ई-निविदा प्रपत्र शुल्क: ₹ 3540.00 व धरोहर राशि:- ₹ 16.780.00

ई-निविदा सख्यां 07/2025-26/EDC/GZB विद्युत वितरण खण्ड, मोदीनगर के अन्तर्गत विभिन्न 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्रों के कार्यक्षेत्र में पूर्ण जमा योजना मद में रनिग कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर, 33/11/एल०टी०/एच०टी० लाईनों को स्थानान्तरित करने सम्बन्धी कार्य। प्रपत्र शुल्क: ₹ 1180.00, धरोहर राशि:- ₹ 8,420.00

ई-निविदा की अंतिम तिथि: 20/06/2025, 12 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जाएगी।

अधीक्षण अभियन्ता पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0, विद्युत वितरण मण्डल, हाइडिल कॉलोनी, कविनगर, गाजियाबाद।

पत्रांक: 979/वि०वि०मं०-/गा०बाद दिनांक: 04/06/2025

राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

राजस्थान की धरती मीरा बाई, भामाशाह, महाराणा प्रताप जैसे महापुरूषों की दिव्य धरतीः स्वामी चिदानन्द सरस्वती

श्रीराम कथा के मंच से पूज्य संतों ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती को समर्पित किये अपने भाव

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आयोजित मासिक श्रीराम कथा के पावन अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज के प्राकट्य दिवस के दूसरे दिन एक दिव्य आध्यात्मिक संगम था। इस अवसर पर पूज्य संतों, विद्वानों एवं भक्तगणों ने पूज्य स्वामी जी के सेवा-समर्पणमय जीवन को नमन किया। जगद्गुरू स्वामी कृष्णाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी दयारामदास महाराज, डा साध्वी भगवती सरस्वती, संत मुरलीधर जी, पंडित रवि प्रपन्नाचार्य, तथा राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष जगदीश परमार्थी जी सहित अनेक संतों और विद्वानों ने श्रीराम कथा में सहभाग कर अपने भावों को समर्पित किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि राजस्थान की पावन भूमि समाजसेवियों की भूमि है, वहाँ वैदिक विश्व विद्यालय एवं वेलनेस विश्वविद्यालय की स्थापना की पर भी विचार मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती मीरा बाई, भामाशाह, और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों की धरती है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर देश-विदेश से आए संतों, भक्तों, विद्वानों के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से प्राप्त अनेकों संदेशों, आशीवार्दों एवं शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह जीवन परमात्मा का उपहार है और सेवा ही सबसे बड़ी उपासना है और प्रकृति की रक्षा ही आज का सबसे बड़ा धर्म है। जगद्गुरू स्वामी कृष्णाचार्य महाराज ने कहा कि पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी हमारे ऋषिकेश के गौरव है और गंगा सहित अन्य पवित्र नदियों के तटों पर आरती के माध्यम से अपनी गौरवान्वित उपस्थिति रखने वाले पूज्य संत हैं। ऐसे उदार चरित्र वाले पूज्य संतों से भारत भूमि पवित्र है। सभी को एक सूत्र में बांधने के लिये पूज्य स्वामी जी जैसे संतों की इस देश को जरूरत है। आप शतायु हो! जीवेम शरदः शतम। साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि पूज्य स्वामी जी का जीवन एक ज्योति की तरह है जो स्वयं जलती और अनेकों के जीवन को प्रकाशित करती है। पूज्य स्वामी जी का जीवन, सेवा, साधना और समर्पण का ऐसा संगम है, जहाँ हर कोई अपने जीवन की दिशा और धारा बदल सकता है।

वे एक चेतना हैं, एक ऐसी दिव्य शक्ति जो वर्षों से समाज के हर स्तर, हर आयाम में प्रकाश फैलाने में जुटी है। उनकी करुणा, उनका समर्पण, उनका धैर्य और उनकी विश्वदृष्टि यह सब मिलकर उन्हें एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक से कहीं अधिक बनाते हैं। वे जल, जंगल, जीवन और जनजागृति का एक आंदोलन हैं। उनका जीवन, उनका मार्गदर्शन, उनकी ऊर्जा यह सब हम सबके लिए एक वरदान है। महामंडलेश्वर स्वामी दयारामदास ने कहा कि पूज्य स्वामी जी ने न केवल ऋषिकेश, उत्तराखंड, भारत बल्कि पूरे विश्व में सनातन संस्कृति की ध्वजा को फहराया है। पंडित श्री रवि प्रपन्नाचार्य ने कहा कि हमारा जीवन उपकार के लिये और धर्म की रक्षा के लिये हो ऐसा ही पूज्य स्वामी जी का जीवन है। इस अवसर पर गौ मुख संकल्प यात्रा के विषय में जानकारी देते हुये कहा कि जिस प्रकार हम अपने बच्चों को सोलह संस्कार देते हैं उसी प्रकार हमें पौधों का भी संरक्षण करना होगा। राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष श्री जगदिश परमार्थी जी ने पूज्य स्वामी जी को शुभकामनायें देते हुये कहा कि आपका वरद हस्त सभी पर बना रहे। स्वामी जी ने सभी पूज्य संतों को रूद्राक्ष का दिव्य पौधा और श्रीराम परिवार का चित्र भेंट किया।

सांसद सतीश कुमार गौतम को एफसीआई उ.प्र. का अध्यक्ष बनाए जाने पर हुआ भव्य स्वागत

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। सतीश कुमार गौतम संसद सदस्य लोकसभा अलीगढ़ को एफसीआई उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाए जाने पर गाजियाबाद से कृष्ण कुमार यादव एवं केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य, वीरेंद्र कुमार, अभय यादव, कृष्ण यादव द्वारा 4, विंडसर प्लेस अशोका रोड नई दिल्ली मे शॉल ओढाकर, पीत वस्त्र, माला पहना कर एवं बुके देकर स्वागत किया गया। युवा उद्योग पति कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि उन्होने विगत 32 वर्षों से सतीश गौतम जी के साथ काम किया है और वे पहली बार अलीगढ़ से 2014 में सांसद बने थे तथा दोबारा 2019 में, तीसरी बार 2024 में सांसद बनने के बाद पार्टी ने उनको फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है इसके लिए हम सरकार एवं समस्त पार्टी को बधाई देते हैं और माननीय सांसद जी को शुभकामनाएं देते हैं। उनको जो यह नई जिम्मेदारी मिली है वह उसको और अच्छी तरह से निभाएंगे और भविष्य में इससे भी बड़ी जिम्मेदारी उनको मिले ऐसी हम परमपिता परमेश्वर से कामना करते हैं।

आरकेजीआईटी में इंटर इंस्टीट्यूट पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता शोध का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजीआईटी गाजियाबाद के एमबीए विभाग द्वारा गाजियाबाद प्रबंधन संघ संग 2025 को शोध 2024-25 (इंटर इंस्टीट्यूट पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड ग्रोथ चैलेंजेस, इश्यूज एंड प्रैक्टिसेज रहा। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन 4 जून को आरकेजीआईटी समूह के सलाहकार डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, कार्यकारी निदेशक डॉ.डी. के. चौहान, डीन ऐकडेमिक डॉ आर. के. यादव और एचओडी एमबीए डॉ. विभूति त्यागी व गाजियाबाद प्रबंधन संघ के कार्यकारी निदेशक अग्रवाल द्वारा किया गया। प्रोग्राम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अरविंदर कौर, फाउंडर डीन आईपी यूनिवर्सिटी ने प्रतिभा मोटिवेट किया व छात्रों को प्रबंधन से संबन्धित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों और एमबीए संस्थानों की टीमों ने भाग लिया इसमें विभिन्न संस्थानों की कुल 45 टीमों ने भाग लिया और उन्हें डॉ. विनायक त्रिपाठी (एमबीए विभा रॉबिन अब्राहम (ईसीई विभाग) और निधि गुप्ता (बीसीए) के पैनल द्वारा जज किया गया। कार्यक्रम को 2 श्रेणियों में विभाजित किया गया। एक श्रेणी आंतरिक प्रतिभागियों की, दूसरी श्रेणी बाहरी प्रतिभागियों के लिए रही। प्रोग्राम का आयोजन डॉ शिखा मित्तल के संरक्षण में किया गया। डॉ. मनीष राय, डॉ. अजिटी तथा बाकि सभी फैकल्टीज ने भी प्रोग्राम के सफल आयोजन में अपना योगदान दिया। कालेज के उच्च अधिकारियों ने डिपार्टमेंट के कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी।

पीलीभीत में बड़ा हादसा: सीवर टैंक में सफाई करने उतरे दंपती समेत तीन की मौत, गांव में मचा कोहराम

हिन्द आत्मा संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत के माधोटांडा क्षेत्र में बुधवार को सीवर टैंक में सफाई करने उतरे दंपती समेत परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। इससे गांव में हड़कंप मच गया। पुराने टैंक के पास ही नए टैंक की सफाई के दौरान हादसा हुआ। तीनों के शव बाहर निकाले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेल्हा में बुधवार शाम करीब चार बजे हुई। ग्रामीणों के अनुसार गांव निवासी प्रल्हाद मंडल (60 वर्ष) ने कुछ दिन पूर्व घर के बाहरी हिस्से में शौचालय का निर्माण कराया था। जिसके सीवर टैंक का साइज छोटा होने के कारण दिक्कत आने लगी। इसको देख प्रल्हाद ने पास में ही करीब आठ फुट गहराई में गड्ढा खोदकर नए टैंक का निर्माण शुरू कराया था। अधिकांश कार्य पूरा हो चुका था। टैंक के ऊपर भी स्लैब भी रख दिया था। बुधवार को प्रल्हाद अपनी पुत्री तनु विश्वास (32 वर्ष) और तनु के पति कार्तिक विश्वास (40 वर्ष) के साथ सफाई करने के लिए टैंक में नीचे उतरे। बताया जाता है कि कार्य के दौरान किसी तरह पास में बने पुराने टैंक से गैस का रिसाव हो गया। तीनों लोग टैंक से समझकर बाहर निकलते। गहराई अधिक होने से दम घुटने से तीनों की मौत हो गई।

कुछ देर बाद प्रल्हाद की वृद्ध पत्नी वहां पहुंची तो तीनों को टैंक के अंदर बेसुध पड़ा देखा। चीख-पुकार होने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। तीनों को बमुश्किल बाहर निकाला गया। तबतक तीनों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर रमनगरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। सीवर टैंक के निर्माण कार्य के दौरान पुराने टैंक से गैस रिसाव होने से हुई दंपती समेत तीन की मौत से कच्ची गृहस्थी बिखर गई। कार्तिक और उसकी पत्नी तनु की तीन पुत्रियां है। इसमें बड़ी पुत्री नौ वर्षीय बरसा, सात वर्षीय सुधा व चार वर्षीय रिद्धि है। दंपती मेहनत मजदूरी कर परिवार को चला रहे थे। घटना से तीनों बच्चियों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया।

समाधान अभियान संस्था और इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में

'चुप्पी तोड हल्ला बोल' परियोजना के अंतर्गत सुरक्षित व असुरक्षित स्पर्श के बारे में जागरूक किया गया

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। समाधान अभियान संस्था और इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 'आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर 'चुप्पी तोड हल्ला बोल' परियोजना के अंतर्गत घरौंदा आश्रम गोविंदपुरम में बालको को पोक्सो एक्ट और बाल यौन शोषण से बचाव के नियमों और सुरक्षित व असुरक्षित स्पर्श के बारे में जागरूक किया गया। समाधान अभियान संस्था के संस्थापक डॉक्टर सतीश चन्द्र पांडे ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बालको को आशीर्वाद प्रदान किया। साथ में अर्चना अग्निहोत्री एवं दीपा शर्मा भी उपस्थित रहे। घरौंदा आश्रम संस्था के संचालनकर्ता और सभी सदस्य गण कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम को बेहद उपयोगी बताया और इंडिया पेस्टीसाइड्स लिमिटेड एवं समाधान अभियान की प्रशंसा की।

तहसील बार एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया पूर्व बार अध्यक्ष राजकुमार शर्मा का जन्मदिवस

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। तहसील बार एसोसिएशन ने पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राज कुमार शर्मा का जन्म दिन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर तहसील बार एसोसिएशन अध्यक्ष लोमेश भाटी, सचिव संजय यादव, एडवोकेट कमल सिंह, पूर्व मीडिया प्रभारी, एडवोकेट जियाउल चौधरी, एडवोकेट शंकर सिंह एवं एडवोकेट मदन लाल आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में हो रही जैव विविधता की जय

योगी सरकार द्वारा शुरू रिकॉर्ड पौधरोपण अभियान के कारण जैव विविधता के पोषक वन क्षेत्र का एरिया 559.19 वर्ग किलोमीटर बढ़ा

लखनऊ। ये खूबसूरत दुनिया हमने और आपने नहीं बनाई है। यह हमें बनी बनाई मिली है। इसे जहां तक संभव हो और खूबसूरत बनाने का प्रयास करें। ऐसा पर्यावरण प्रेमियों का कहना है। उनका यह भी कहना है कि सहअस्तित्व ही हमारी बुनियाद है। इंसान सहित हर जीव-जंतु की अहमियत है। लिहाजा सबके संरक्षण का प्रयास होना चाहिए। इनको समग्रता में जैव विविधता कहते हैं। इस जैव विविधता के संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयास भी कर रही है। उनका प्रयास इसीलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जरूरी जल, जंगल और जमीन से उनको खासा लगाव है। इसके नतीजे भी दिखने लगे हैं। मसलन देश में सबसे अधिक डॉल्फिन की संख्या उत्तर प्रदेश में है। बाघों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वन विभाग के अनुसार प्रदेश में 2018 में इनकी संख्या 173 थी जो 2022 में बढ़कर 205 हो गई। योगी सरकार धार्मिक एवं पर्यावरण के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले धरती के सबसे पुराने जीव कछुओं के अवैध शिकार एवं इनके व्यावसायिक उपयोग पर अंकुश लगाने के साथ इनके संरक्षण का भी प्रयास कर रही है। साथ ही लोगों को जैव विविधता के महत्व के बारे में भी जागरूक कर रही है। इसके लिए सरकार कछुआ संरक्षण योजना चला रही है। इस क्रम में उनके प्राकृतिक आवासों को संरक्षित किया जा रहा है। सारनाथ और कुकरैल में कछुआ प्रजनन केंद्र स्थापित किए

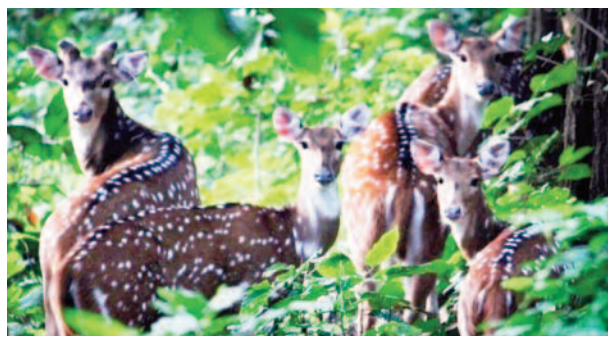

गए हैं। चूंकि गंगा नदी कछुओं का स्वाभाविक आवास रही है इसलिए गंगा के किनारे बसे मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा और बुलंदशहर पर खास फोकस है। नदियों सहित तमाम जलस्त्रोत एवं पेड़, पौधे तमाम जीव-जंतुओं के स्वाभाविक एवं प्राकृतिक आवास होते हैं। अगर जलस्त्रोतों के किनारे ही पेड़, पौधे हों तो जैव विविधता के लिए यह और भी बेहतर है। यही वजह है कि योगी सरकार का जोर सभी प्रमुख नदियों के किनारे और अमृत सरोवरों के किनारे पौधरोपण पर है। इस क्रम में सरकार वर्ष 2017-2018 से 2024-2025 के दौरान 204.65 करोड़ पौधरोपण करा चुकी है। इस साल भी 35 करोड़ पौधे लगवाने का लक्ष्य है। गंगा नदी के किनारे पहले ही गंगा वन के नाम से पौधरोपण का कार्यक्रम जारी है। इस बार गंगा सहित यमुना, चंबल, बेतवा, केन, गोमती, छोटी गंडक, हिंडन, राप्ती, रामगंगा और सोन आदि नदियों के किनारे 14 करोड़ से अधिक पौधरोपण की योजना है। योगी सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में हरित क्षेत्र का एरिया बढ़ा है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र 559.19 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। सरकार का लक्ष्य साल 2030 तक राज्य का हरित आवरण 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का है। जैव विविधता के लिए ही सरकार वेटलैंड्स को संरक्षित कर रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विषमुक्त प्राकृतिक खेती भी जैव विविधता में मददगार बन रही है। प्राकृतिक सफाईकर्मी माने जाने वाले लुप्तप्राय हो रहे गिद्धों के संरक्षण के लिए योगी सरकार द्वारा गोरखपुर में जटायु संरक्षण केंद्र की स्थापना भी इस संबंध में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यूपी ने जैव विविधता

नौ तरह की कृषि जलवायु होने के नाते प्रदेश में वनस्पति और जीव-जंतु दोनों में भरपूर विविधता है। इनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए यहां एक राष्ट्रीय उद्यान और दो दर्जन से ज्यादा वन्यजीव अभयारण्य हैं। इसी उद्देश्य से राज्य जैव विविधता बोर्ड की भी स्थापना की गई है। उल्लेखनीय है कि यूपी में स्तनधारियों की 56, पक्षियों की 552, सरीसृप की 47, उभयचर की 19 और मछलियों की 79 प्रजातियां हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की पादप एवं जंतु प्रजातियों की लाल सूची के अनुसार भारत में लगभग 97 स्तनधारी, 94 पक्षी और 482 पादप प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। वैश्विक स्तर पर देखें तो यह खतरा 10 लाख प्रजातियों पर हैं।। 1970 से 2018 के दौरान वन्य जीवों की आबादी 69 फीसद घटी है। एक अनुमान के अनुसार 150 साल में कीटों की करीब 5 से 10 फीसद प्रजातियां खत्म हो चुकी हैं।

गोवंश मांस होने के शक में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा काटते हुए ट्रक को किया आग के हवाले

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने ट्रक ड्राइवर व कंडक्टर की जमकर पिटाई पुलिस बनी रही मुक दर्शक

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। बजरंग दल कार्यकताओं ने बीती रात भोजपुर थाना क्षेत्र में जा रहे ट्रक को पकड़ कर उसमें गोवंश का मांस होने के शक में जमकर बवाल काटा। उसके बाद ट्रक ड्राइवर व कंडक्टर के साथ मारपीट करने के पश्चात मांस से भरे ट्रक को आग के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पे पहुंची पुलिस ने बजरंग दल कार्यकताओं को जैसे तैसे कर शांत कराया। मंगलवार देर रात को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित भोजपुर क्षेत्र में बजरंग दल कार्यकताओं ने एक ट्रक को रोक कर उसमें गोवंश होने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल काटने के पश्चात ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं ट्रक में आग लगाने का विरोध कर रहे कंडक्टर ड्राइवर के साथ भी जमकर मारपीट की। सोने पर सूचना पर पहुंची भोजपुर पुलिस पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराते हुए मास के सैंपल को जांच के लिए लैबोरेट्री में भेजा। इस घटना के बाद से ही भोजपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उत्तर प्रदेश ने केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत करने की मांग की है: अरविंद पनगढ़िया

16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने आयोग के सदस्यों के साथ पत्रकार वार्ता की

लखनऊ। 16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने बुधवार को आयोग के सदस्यों के साथ एक पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। वित्त आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि बैठक में सीएम योगी ने राज्य सरकार की मांगों को लेकर आयोग को मांग पत्र सौंपा है, जिसमें केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की गई है। साथ ही उत्तर प्रदेश ने विशेष विकास योजनाओं के लिए स्पेशल फंड डीडीए दिए जाने की मांग भी उठाई है। वित्त आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि बैठक के दौरान प्रदेश सरकार ने उत्तर के विकास और सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा पेश किया, जिसकी आयोग ने सराहना की। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मांगों के विषय में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने इनकम डिस्टेंस क्राइटेरिया 45 प्रतिशत, भौगोलिक क्षेत्रफल 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत, जनसंख्या 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 22.5 प्रतिशत, जनसांख्यिकीय प्रदर्शन 12.5 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत, वन 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत, कर संग्रहण प्रयास 2.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाने का प्रस्ताव आयोग को दिया गया है।

वित्त आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि वित्त आयोग का मुख्य कार्य केंद्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे का प्रस्ताव तैयार करना है, जिसे भारत के राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षैतिज वितरण के संदर्भ में 15वें वित्त आयोग की सिफारिशें इस प्रकार रही हैं- जनसंख्या 15 प्रतिशत, क्षेत्रफल 15 प्रतिशत, वन 10 प्रतिशत, कर संग्रहण प्रयास 2.5 प्रतिशत और जनसांख्यिकीय प्रदर्शन 12.5 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग में सबसे अधिक 45 प्रतिशत इनकम डिस्टेंस क्राइटेरिया को दिया गया था।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निदेशों के क्रम में बुधवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में श्री परवेन्द्र सिंह आदि द्वारा गाटा संख्या-921, मधुबन बापूधाम बम्बा रोड़, दुहाई पर लगभग 2000 वर्गमी० क्षेत्रफल में, वरूण त्यागी व योगेश शर्मा आदि द्वारा खसरा संख्या-919, मधुबन बापूधाम बम्बा रोड़, दुहाई पर लगभग 12000 वर्गमी० क्षेत्रफल में, श्री वरूण त्यागी व श्री योगेश शर्मा आदि द्वारा खसरा संख्या-919, मधुबन बापूधाम बम्बा रोड़, दुहाई पर लगभग 20000 वर्गमी० क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों की बाउण्ड्रीवाल, आर०सी०सी० सड़क, विद्युत कनैक्शन विच्छेदित कराते हुए विद्युत पॉल, पानी की पाईप लाईन, नाली आदि के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय स्थानीय विकासकताओं/निर्माणकताओं द्वारा काफी विरोध किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। मौके पर उपस्थित लोगो से यह अपील की गयी कि अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों का क्रय, विक्रय न करें। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण एवं समस्त सुपरवाईजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल तथा प्राधिकरण पुलिस बल उपस्थित रहा।

खिलाड़ियों का सम्मान सर्वोपरि: त्रिलोक त्यागी

जुलाई में होगा दिल्ली में 1000 खिलाड़ियों का सेमिनार : चौधरी नीरपाल सिंह

बड़े स्तर पर खेल आयोजनों की बनाई जायेगी रणनीति : विजय कौशिक

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल के केंद्रीय कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिले व नगर के पदाधिकारियों की बैठक पार्टी के राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बोलते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने कहा कि खेल प्रकोष्ठ की पूरी टीम को में बधाई देता हूं, खेल प्रकोष्ठ की पूरी टीम मजबूती से युवाओं को जोड़ रही है। खेलो को बढ़ावा देने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए में आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। खेल प्रकोष्ठ के एक एक पदाधिकारी, कार्यकताओं का पूरा सहयोग और सम्मान किया जाएगा। इस दौरान खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री चौ. नीरपाल सिंह, राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगराज सिंह बालियान, राष्ट्रीय महासचिव ऋचा सिंह, प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर, प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड सिद्धांत चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली रेयान त्यागी, जिलाध्यक्ष हापुड़ अभिनव चौधरी, जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर राहुल भाटी, जिलाध्यक्ष गाजियाबाद संजय बैंसला, पूर्वी दिल्ली जिलाध्यक्ष फैसल, महानगर अध्यक्ष गाजियाबाद संजीव अरोड़ा, जिला पंचायत सदस्य प्रताप सिंह लोहिया, प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रांत राठी, प्रदेश सचिव पूजा राजपूत, दिनेश शर्मा सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

5 जून से इस अभियान का शांकनात्मक शुभारंभ अभियान कार्यशाला के रूप में अभियान के प्रदेश संयोजक एवं जिला प्रभारी मानवेंद्र सिंह गाजियाबाद पहुंचकर करेंगे

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर 'विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' विषय पर आधारित विशेष अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश द्वारा गाजियाबाद महानगर में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में महानगर पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ, प्रकल्प, मंडल स्तर के संगठन पदाधिकारी एवं शक्ति केंद्र संयोजक प्रमुखता से भाग लेंगे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी मानवेंद्र सिंह मौजूद रहेंगे। इस अभियान के प्रदेश संयोजक के साथ ही पश्चिम उत्तर प्रदेश संयोजक के रूप में प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों वरिष्ठ नेताओं का गाजियाबाद आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

मयंक गोयल ने कहा कि यह अभियान आम जनमानस को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने और उन्हें जागरूक करने का सुनहरा अवसर है। बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करना हमारी प्राथमिकता है और मंडल तथा महानगर टीमें योजनाबद्ध ढंग से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी हैं।

अभियान के अंतर्गत आगामी गतिविधियों की रूपरेखा निम्न प्रकार से तय की गई है-9 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा तथा गाजियाबाद में भी प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सांसद की उपस्थिति में प्रेस वार्ता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश नेतृत्व के अन्य अतिथि भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा एक प्रोफेशनल मीट का आयोजन, MyGov पोर्टल के माध्यम से डिजिटल प्रतियोगिताएं, मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा तथा 350 शक्ति केंद्रों और 20 मंडलों पर योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं लाभार्थियों से संपर्क जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इस अभियान में वरिष्ठ पदाधिकारीगण, मंडल प्रभारी, जिला प्रभारी, संयोजक, सह-संयोजक, सोशल मीडिया प्रभारी एवं अन्य संगठनात्मक इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।